6) भगवान का डाकिया

CLASS-8

प्रश्न-1) कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिया क्यों बताया है? स्पस्ट कीजिये।

उत्तर- कवि ने पक्षि और बादल को भगवन के डाकिया इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिया सन्देश लाने का काम करता है। उसी तरह पक्षी और बदल भगवन का सन्देश हम तक पहुचाते है। उसके लाए सन्देश भले ही हम न समझ पाए पर पेड़, पौधे पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पद कर समझ लेते है। जिस तरह बदल ओश पक्षी दुसरे देश-भेजकर भी भेद-भाव नहीं करते। उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए।

प्रश्न-2) पक्षी और बादल द्वारा लाई गयी चिरियों को कौन-कौन पढ़ पाते है सोच कर लिखिए।

उत्तर- पक्षी और बादल द्वारा लायी गयी चिठियों को पेड़ पौधे, पानी पहाड़ पढ़ पातें हैं।

प्रश्न-3) किन पंक्तियों का भाव है।

(क) पक्षी और बादल प्रेम,सद्भावना और एकता का सन्देश एक देश से दुसरे देश को भेजता है।

उत्तर- पक्षी और बादल यह भगवान के डाकिया है। जो एक महादेश से दुसरे महादेश को जाते है। हम तो समझ नहीं पते हैं मगर उनको लाई चिट्ठियाँ पेड़-पौधे पानी और पहाड़ नाँचते है।

(ख) प्रकृति देश-देश में भेद भाव नहीं करती एअक देश से उठा बादल दुसरे देश में बरस जाता है।

उत्तर- प्रकृति देश-देश में भेद भाव नहीं करती एक देश से उठा बादल और एअक देश का भाप दुसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

प्रश्न-4) पक्षी और बादल की-चिट्ठियों में पेड़-पौधे पानी और पहाड़ क्या पढ़ पातें हैं।

उत्तर- कवि का कहना है कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिया है। जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करतें हैं। उसी प्रकार पक्षी और बादल भवन का संदेश लाने का काम करते है। पक्षी और बादल की चिट्ठीयो में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के सन्देश को पद पातें हैं। इस पर अमल करते नदियाँ समान भाव से सभी-लोगों में अपने पानी को बाँटती है। पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। पेड़-पौधे समान भाव से अपने फल-फुल व सुगंध को बाँटते है। कभी भेद भाव नहीं करतें।

प्रश्न-5) एक देश की धरती दुसरे देश की सुगंध भेजते है। कथन का भाव स्पस्ट कीजिये।

उत्तर- एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दुसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाली फूलो को सुगंध को हवा से, पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उरते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेम-प्यार की सुगंध तैर कर दुसरे देश तक पहूँच जाती है। इस प्रकार दुसरे देश की धरती दुसरे देश को सुगंध भेजती है।

प्रश्न-6) पक्षियों और बादलों की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से दिख सकते हैं।

उत्तर- पक्षी और बादलों की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहाद्र और आपसी-सद्भावकी दृष्टि से दिख सकते है। यह हमें यही सन्देश देता है।

UTTERA PUBLIC SCHOOL